B.A. Final (CBCS Pattern) Semester - VI

BA36B-4 : Pali Literature

P. Pages : 5 **GUG/S/23/13438**

Time : Three Hours * 0 0 1 8 * Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.
स्वीकृत माधम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अट्ठ खो इमा आनन्द। परिसा। कतमा अट्ठ? (1) खत्तियपरिसा, (2) ब्राह्मणपरिसा, (3) गहंपति परिसा, (4) समण परिसा (5) चातु महाराजिक परिसा (6) तावतिंस परिसा (7) मार परिसा, (8) ब्रह्मपरिसा, अभिजानामि खो पनाहं आनंदा अनेकसतं खत्तियपरिसं उपसङकमिता, तत्रापिं मया सन्निसन्निपुब्बञ्चेव सल्लपित पुब्बञ्च साकच्छा च समापज्जितपुब्बा। तत्थ यादिसको तेसं वण्णो होति तादिसको मय्हं वण्णों होति। यादिसको तेसं सरो होति, तादिसको मय्हं सरो होति। धम्मिया कथाय सन्दस्सेमि समादपेमि समुत्तेजेमि संपहंसेमि। भासमानञ्च मं न जानन्ति को नु खो अयं भासति देवो वा मनुस्सो वा' ति?

किंवा / अथवा

एवम्पि खो आयस्मा आनन्दो भगवता ओलारिके निमित्ते करियमाने, ओलारिके ओभासे करियमाने नासक्खि पटिविज्झतुं। न भगवन्तं याचि 'तिट्ठतु भगवा। कप्पं, तिट्ठतु सुगतो। कप्पं बहुजनहिताय बहुजनसुखाय लोकानुकम्पाय अत्थाय हिताय सुखाय देवमनुस्सानन्ति। यथा तं मारेन परियुट्ठितचित्तो। दुतियम्पि खो भगवा पे ततियम्पि खो भगवा आयस्सन्तं आनन्दं आमन्तेसी रमणीया आनन्द वेसाली, रमणीयं उदेनचेतीयं रमणीय गोतमकचेतियं, रमणीयं सत्तम्ब चेतियं। रमणीय बहुपुत्तचेतियं, रमणीयं चापालचेतियं। यस्स कस्सचि आनन्द। चत्तारो इध्दिपादा भाविता बहुलीकता यानीकता वत्थुकता अनुट्ठिता परिचिता सुसमारध्दा, सो आकङ्ख मानो कप्पं वा तिट्ठेय्यं कप्पावसेसं वा।

ब) "आनन्दस्स याचना" सविस्तर सांगा. **6**
आनन्दस्स याचना विस्तारसे बताईए।

किंवा / अथवा

महापरिब्बाणसुत्तांची विषयवास्तू तुमच्या शब्दात लिहा
महापरिब्बणसुत्त की विषय वास्तू तुम्हारे शब्दों में बताईए।

2 अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अथ खो भगवा महता भिक्खुसंघेन सध्दिं येन भण्डगामो तदवसरि। तञ सुंद भगवा भण्डगामें विहरति। तत्र खो भगवा भिक्खू आमन्तेसि - चतुन्नं भिक्खवे । धम्मानं अननुबोधा - "अप्पटिबोधा एवमिदं दीघमध्दानं सन्धावितं संसरितं ममञ्चेव तुम्हाकच्च। कतमेसं चतुन्नं? अरियस्स भिक्खवे। सीलस्स अणनुबोधा अप्पटिवेधा एवमिदं दीघमध्दानं सन्धावितं संसारतं ममञ्चेव तुम्हाकञ्च। अरियस्स भिक्खवे। समाधिस्स। अननुबोध अप्पटिबोधा एवमिदं दीघमध्दान सन्धावितं संसारित ममञ्चेव तुम्हाकञ्चा। अरियाय भिक्खवे। पञ्ञाय अननुबोधा अप्पटिबोधा एवमिंद दीघमध्दानं सन्धावितं संसारित ममञ्चेव तुम्हाकञ्चा। अरियाय भिक्खवे। विमुत्तिया अननुबोधा अप्पटिवेधा एवमिदं दीघमध्दानं सन्धावितं संसारित ममञ्चेव तुम्हाकञ्चा।

किंवा / अथवा

एकमिदाहं आनन्द। समयं उरुवेलायं विहारामि नज्जा नेरञ्जराय तीरे अजपाल निग्रोधे पठमाभिसम्बुध्दो। अथ खो आनन्द। भारो पापिमा येणाहं तेनुपसङकमि। उपसङकमित्वा एकमन्तं अट्ठासि। एकमन्तं ठितो खो आनन्द। मारो पापिमा मं एतदवोच परिनिब्बातु दानि भन्ते। भगवा, परिनिब्बातु सुगतो। परिनिब्बानकालो दानि भन्ते। भगवतो' ति। एवं वुत्ते अहं आनन्द। मारं पापिमन्तं एतदवोचं - न तावाहं पापिमा। परिनिब्बायिस्सामि, याव मे भिक्खू न सावका भविस्सन्ति वियत्ता विनीता विसारदा बहुस्सुता धम्मधरा धम्मानुधम्मप्पटिपन्ना सामीचिप्पटिपञ्ञा अनुधम्मचारिणो संक आचरियक उग्गहेत्वा आचिक्खिस्सन्ति देसेस्सन्ति पञ्ञपेस्सन्ति पट्ठपेस्सन्ति विवरिस्सन्ति विभजिस्सन्ति उत्तानि करिस्सन्ति।

ब) "वेसालिया पच्छिमदस्सन" सांगा. **6**
"वेसालिया पच्छिमदस्सन" बताईए।

किंवा / अथवा

"पुक्कुसो मल्लपुत्तो" सविस्तर लिहा.
"पुक्कुसो मल्लपुत्तो" सविस्तर लिखिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) बहुं वे सरणं यन्ति पब्बतानि वनानि च।
आरामरुक्खचेत्यानि मनुस्सा भयतज्जिता॥

2) नेतं खो सरणं खेमं नेतं सरणमुत्तमं।
नेतं सरणमागम्म सब्बदुक्खा पमुच्चति॥

3) यो च बुध्दञ्च धम्मञ्च सघ्डञ्च सरणं गतो।
चत्तारि अरियसच्चानि सम्मप्पञ्ञाय पस्सति॥

4) दुक्खं दुक्खसमुप्पादं दुक्खस्स च अतिक्कमं।
अरियञ्चट्ठङिगकं मग्गं दुक्खूपसमगामिनं॥

किंवा / अथवा

1) क्रोधं जहं विप्पजहेय्य मानं, सञ्ञोजनं सबमतिक्कमेय्य।
तं नामरुपस्मिं असज्जमानं अकिञ्चनं नानुपतन्ति दुक्खा।

2) यो वे उप्पतितं कोधं रथं भन्तं' व धारये।
तमहं सारिथं ब्रूमि रस्मिग्गाहो इतरो जनो॥

3) अक्कोधेन जिने कोधं असाधुं साधुना जिने।
जिने कदरियं दानेन सच्चेन अलिकवादिनं॥

4) सच्चं भणे कुज्झेय्य, दज्जा प्पस्मिम्पि याचितो।
एतेहि तीहि ठाणेहि गच्छे देवान सन्तिके॥

ब) तपनिय सुत्ताचा सारांश लिहा. **6**
तपनिय सुत्त का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

मोहसुत्ताचा सारांश लिहा.
मोहसुत्त का सार लिखिए।

4. अ) कृदन्त शब्द तयार करा **कोणतेही चार.** **4**
कृदन्त शब्द बनाईए **कोई भी चार।**

हंस, सोत, पस्स, हन, दिस, वद, गच्छ, कास

ब) समास ओळखा **कोणतेही चार.** **4**
समास पहचानिए **कोई भी चार।**

1) निलुप्पलं 2) वनचरो

3) पादपो 4) चंदिमसुरिय

5) लम्बकप्पो 6) कण्हसपो

क) स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा. **4**
स्वीकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।

1) अहं महाविद्यालयों अज्ज न गमिस्सामि।

2) त्वं नाम किं अत्थि।

3) त्वं गामे एको बागो दिसति।

4) सीहो संघ सरति।

ड) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद कीजिए।

1) तो बुध्द धम्म संघाला सरणं जातो.
वह बुध्द धम्म संघ को सरणं जाता है।

2) ती बुध्दाला नमस्कार करते.
वह बुध्द को नमस्कार करती है।

3) आई मुलासह गावात प्रवेश करते.
माता बालक के साथ गाव में प्रवेश करती है।

4) भिक्खु वनात ध्यान करतात.
भिक्खु वनमें ध्यान करते है।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए। **कोई भी दो।**

1) जातक 2) धम्मपद

3) इतिवृत्तक 4) दीघनिकाय

ब) योग्य पर्याय लिहा. **10**
योग्य पर्याय लिखिए।

1) महापरिनिब्बाण सुत्ताची सुरुवात या गावातून होते.
महापरिनिब्बाण सुत्त की सुरुवात इस गाव से होती है।
अ) राजगृह ब) वैशाली
क) रामगाम ड) भोगनगर

2) महापरिनिब्बाणसुत्त कुठे येतो.
महापरिनिब्बाण सुत्तं कहाँ आता है।
अ) दीघनिकाय ब) मज्झिमनिकाय
क) संयुत्तनिकाय ड) अंगुत्तरनिकाय

3) महापरिनिब्बाणसुत्ताचे किती भाणवार आहेत.
महापरिनिब्बाणसुत्त के कितने भाणवार है।
अ) पाच ब) सहा
क) चार ड) सात

4) दीघनिकाय ग्रंथात किती सुत्तं आहेत.
दीघनिकाय ग्रंथ में कितने सुत्तं है।
अ) 31 ब) 32
क) 33 ड) 34

5) धम्मपद ग्रंथ कोणत्या निकायात येतो.
धम्मपद ग्रंथ कौनसे निकाय में आता है।
अ) संयुत्तनिकाय ब) खुद्दकनिकाय
क) अंगुत्तरनिकाय ड) दीघनिकाय

6) 423 गाथांचा संग्रह असलेला हा ग्रंथ होय.
423 गाथाओं का संग्रह यह ग्रंथ है।
अ) जातक ब) उदान
क) धम्मपद ड) यमक

7) क्रोध वग्गाचा विषय कोणता आहे.
क्रोध वग्ग का विषय कौनसा है।
अ) मोह ब) राग
क) द्वेष ड) क्रोध

8) तपनिय सुत्त कुठे आढळते.
तपनिय सुत्त कहाँ मिलता है।
अ) उदान ब) इतिवृत्तक
क) धम्मपद ड) जातक

9) बुध्दवग्ग कुठे येतो.
बुध्दवग्ग कहाँ आता है।
अ) जातक ब) धम्मपद
क) इतिवृत्तक ड) उदान

10) सिध्दार्थ गोतम कुठे राहत होता.
सिध्दार्थ गोतम कहाँ रहते थे।
अ) कपिलवस्तु ब) राजगृह
क) लुंबिनी ड) वैशाली

****